सदा हर्षित रहने के लिए अपनी नेचर को सरल बनाओ, सहनशील बनो

To remain constantly cheerful, be easy-natured and tolerant.

June 1, 2026

हर्षित चेहरा संगमयुग की सबसे बड़ी गिफ्ट है

अपने इस चेहरे को सदैव हर्षित बनाना यह संगमयुग की सबसे बड़ी गिफ्ट है। चेहरे पर कभी भी कोई परेशानी की रेखा न हो। जैसे सम्पूर्ण चन्द्रमा कितना सुन्दर लगता है, वैसे अपना चेहरा सदैव हर्षित रहे। चेहरा ऐसा चमकता हुआ हो जो और भी आप के चेहरे में अपना रूप देख सकें, इसके लिए अपनी नेचर को सरल बनाओ, सहनशीन बनो।

Cheerful face is the biggest gift of the confluence age

To make your face constantly cheerful is the biggest gift of the confluence age. Never let there be any lines of distress on your face. A full moon looks so beautiful, in the same way, let your face be constantly cheerful. Let your face shine so much that others are able to see their form in your face. For this, make your nature simple and be tolerant.

June 2, 2026

साक्षीदृष्टा

हर्षित रहने का गुण पुरुषार्थ में बहुत मददगार बन सकता है, लेकिन जैसे सूरत हर्षित रहती है वैसे आत्मा भी सदैव हर्षित रहे, इस नेचुरल गुण को आत्मा में लाना है। सदा हर्षित रहेंगे तो फिर माया की कोई आकर्षण आकर्षित नहीं करेगी, यह बाप की गैरन्टी है। लेकिन सदा हर्षित रहने के लिए अपनी रूहानी शान में रहना और सहनशील बन साक्षीदृष्टा हो माया के खेल को देखना।

Detached observer

The virtue of remaining cheerful can help you a lot in your efforts. Just as your face remains cheerful, in the same way, also keep your soul cheerful. Let this natural virtue be inculcated in the soul. If you remain constantly cheerful, no attraction of Maya will be able to attract you. This is the Father's guarantee. However, in order to remain constantly cheerful, maintain your spiritual honour, be tolerant and watch the games of Maya as a detached observer.

June 03, 2026

हर्षितपन का संस्कार

सदा हर्षित रहना यह ज्ञान का गुण है, इसमें सिर्फ रूहानियत एड करना है। हर्षितपन का संस्कार भी एक वरदान है जो समय पर बहुत सहयोग देता है। जो स्वयं सदा हर्षित रहते हैं वह कैसे भी मन वाले को भी हर्षित कर देते हैं, इज़ी नेचर वाले अपने खुशनुमा हर्षित चेहरे से भारी वायुमण्डल को भी हल्का बना देते हैं।

The sanskar of remaining cheerful
To remain cheerful is a virtue of this knowledge and you simply have to add spirituality to that. The sanskar of remaining cheerful is also a blessing which will help you a lot at any time of need. Those who remain constantly in a cheerful state are able to make others cheerful, no matter what the condition of their minds may be. Those with an easy nature, make a heavy atmosphere very light with their cheerful and happy face.

June 04, 2026

ज्ञान का सिमरण

सदा हर्षित रहने वालों का यादगार विष्णु के रूप में दिखाया है। विष्णु क्षीरसागर में आराम से लेटा हुआ ज्ञान का सिमरण कर हर्षित हो रहा है। तो हर्षित रहने का साधन है ज्ञान का सिमरण। जो जितना ज्ञान का सिमरण करते है वह उतना ही हर्षित रहते हैं। कोई भी परिस्थिति उनकी हिम्मत, उमंग-हुल्लास को कम नहीं कर सकती। वे सहनशीलता की शक्ति से हर परिस्थिति को सहज पार कर लेते हैं।

Churning knowledge
The memorial of those who remain constantly cheerful has been shown in the form of Vishnu. Vishnu is lying comfortably in an ocean of milk, churning knowledge and remaining very cheerful. The way to remain cheerful is to churn this knowledge. To the extent that someone churns this knowledge, so he remains cheerful. No adverse situation can reduce his courage, zeal or enthusiasm. With the power of tolerance, he easily overcomes all adverse situations.

June 05, 2026

नये जीवन का दान दो

दुनिया में लोग जिंदा होते भी नाउम्मीदी की चिता पर बैठे हुए हैं, ऐसी आत्माओं को मरजीवा बनाओ, नये जीवन का दान दो। अपने खुशनसीब, हर्षित मुख चेहरे द्वारा उन्हें मानव जीवन में जीना सिखाओ। आपको देखकर उनमें हिम्मत, उमंग-उत्साह आ जाये, इसके लिए अपनी नेचर को सरल बनाओ और सदा कमल समान स्थिति के आसन पर डबल लाइट स्थिति में स्थित रहो।

Give the donation of a new life

People of the world are sitting on a pyre of hopelessness while alive. Make such souls die alive and give them the donation of a new life. With your cheerful and happy face, teach them how to lead a human life. On seeing you, let them receive courage, zeal and enthusiasm. For this, make your nature easy and be constantly stable in a double light stage, on the seat of the lotus stage.

June 06, 2026

खिलाड़ी की स्टेज

इस बेहद की स्टेज पर मैं खिलाड़ी हूँ। यह खिलाड़ी की स्टेज सदा हर्षितमुख रहने का अनुभव कराती है। किसी भी प्रकार की कोई भी बात, जिसको दुनिया वाले आपदा समझते है लेकिन खिलाड़ी बन खेल करने वाले और साक्षी हो खेल देखने वाले, ऐसी आपदा के रूप को खेल समझ, सहनशीलता की शक्ति से मनोरंजन का अनुभव करते हैं।

The stage of a player

I am a player on this unlimited stage. The stage of a player gives you the experience of remaining constantly cheerful. Whatever the situation, people of the world would say that it is a calamity, but a player who is constantly playing a game and seeing everything as a detached observer will consider that calamity to be a game and, with the power of tolerance, experience it as entertainment.

June 07, 2026

सरलचित स्थिति

जो अपनी वा दूसरों की बीती को नहीं देखते हैं, सेकण्ड में फुलस्टाप लगाते हैं वह सरलचित होते हैं और जो सरलचित होते हैं उनके नयनों से, मुख से, चलन से मधुरता व हर्षितमुखता प्रत्यक्ष रूप में देखने में आती है। ऐसी सरलचित स्थिति वाले दूसरों को भी सरलचित बना देते हैं। सरलचित माना जो बात सुनी, देखी, की, वह सार-युक्त हो और सार को ही उठाये।

easy-natured

Those who do not look at their own or others' past and are able to put a full stop in a second are easy-natured. Those who are easy-natured reveal sweetness and cheerfulness through their eyes, face and actions. Such souls also make others easy-natured. To be easy-natured means that whatever you hear, see or do is filled with essence, and that you only take the essence.

June 08, 2026

अतीन्द्रिय सुख में झूमना

जो सरलचित हैं वही सदा हर्षित रहते हैं। हर्षितचित हैं तो सबको आकर्षित करते हैं। हर्षित का अर्थ ही है अतीन्द्रिय सुख में झूमना। ज्ञान का सुमिरण करते, अव्यक्त स्थिति का अनुभव करते अतीन्द्रिय सुख में

झूमना, इसको कहा जाता है हर्षित। इसके लिए साक्षीपन की सीट पर सेट रह माया और प्रकृति के पपेटशो को मनोरंजन के रूप से देखो।

Swinging in supersensuous joy

Those who are easy-natured remain constantly cheerful. Those who have a cheerful heart attract everyone. Cheerfulness means to swing in supersensuous joy. While churning this knowledge and experiencing the avyakt stage, to be swinging in supersensuous joy is known as being cheerful. For this, remain set on the seat of a detached observer and watch the puppet show of Maya and matter as a form of entertainment.

June 09, 2026

ड्रामा की ढाल

जो सहनशील है वही ड्रामा की ढाल पर ठहर सकता है और हर्षित रह सकता है। सहनशीलता नहीं तो ड्रामा की ढाल को पकड़ना भी मुश्किल है। इस समय जो भी कर्म करते हो उसमें करन-करावनहार की स्मृति सदा रहे। कराने वाला बाप है, करने वाला निमित्त है, अगर यह स्मृति में रख कर्म करो तो अनुभव होगा कि साक्षी हो जैसे पार्ट बजा रहे हैं।

The shield of the drama

Only those who are tolerant are able to remain stable and also cheerful using the shield of the drama. If you are not tolerant, it will be difficult for you to hold the shield of the drama. Whatever actions you do at this time, constantly remain aware of Karankaravanhar. The Father is inspiring you to do everything and the ones who are doing everything are His instruments. If you act in this awareness, you will experience yourself to be playing a part as a detached observer.

June 10, 2026

खुशी की लहर सर्व में फैलाओ

आपके हर संकल्प, हर बोल में विशेषता हो। सदा सरल स्वभाव, सरल बोल, सरलता सम्पन्न कर्म हों, ऐसे सरल स्वरूप रहो। सदा एक की मत पर, एक से सर्व सम्बन्ध, एक से सर्व प्राप्ति, ऐसे एक द्वारा सदा एकरस रहने के सहज अभ्यासी रहो। सदा खुश रहो, खुशी का खजाना बांटो। खुशी की लहर सर्व में फैलाओ, यही सच्ची सेवा है।

Spread waves of happiness

Let your every thought and every word be special. Constantly have an easy nature, speak simple words, and let your actions be easy-natured. Be an embodiment of easiness. Always follow the directions of the One, have all relationships with the One, attain everything from the One, and have the easy practice of constantly being stable with the One. Remain constantly happy and distribute the treasure of happiness. Spread waves of happiness over everyone: this is real service.

June 11, 2026

निर्माणचित, निरहंकारी, निर-स्वार्थी

सरलचित नेचर होगी तो हर्षित रहने के साथ नयनों से, मुख से और चलन से मधुरता प्रत्यक्ष रूप में दिखाई देगी। कभी मुख से कटुवचन नहीं निकलेंगे। उनका दिल, दिमाग, बोल सब एक समान होगा। दिल में एक, बोल में दूसरा यह सरलता की निशानी नहीं है। सरल स्वभाव वाले सदा निर्माणचित, निरहंकारी, निर-स्वार्थी होते हैं।

humble-hearted, egoless and selfless.

When you have an easy nature, then, as well as being cheerful, sweetness will be visible in your eyes, on your face and in your activities. Harsh or bitter words will never emerge through your lips. Your heart, head and words will all be equal. To have one thing in your heart and something else in your words is not a sign of easiness. Those with an easy nature will constantly be humble-hearted, egoless and selfless.

June 12, 2026

साफ दिल

होलीहंस की विशेषता सरल-चित, सरल वाणी, सरल वृत्ति, सरल दृष्टि। बापदादा को सबसे प्रिय, सबसे समीप साफ दिल वाले प्यारे हैं। साफ दिल सदा बापदादा के दिलतख्त नशीन, सर्व श्रेष्ठ संकल्प पूर्ण होने के कारण वृत्ति में, दृष्टि में, बोल में, सम्बन्ध-सम्पर्क में सरल और स्पष्ट एक समान दिखाई देते हैं।

clean hearts

The specialities of a holy swan are to be easy-natured, using simple words and having a simple attitude and simple (pure) vision. BapDada loves those who have pure hearts the most and is closest to them. Those with clean hearts are always seated on BapDada’s heart throne and, because all their elevated thoughts are fulfilled, they are seen to be easy, simple and clear. They are equal in their attitude, vision, words, relationships and connections.

June 13, 2026

सरलता और मधुरता

बापदादा सभी बच्चों के चलन और चेहरे में, बोल व कर्म में सरलता और मधुरता देखने चाहते हैं। अगर आवेशता या थकावट के कारण थोड़ा भी बोल मधुर नहीं है, चेहरा मधुर नहीं है, सीरियस है तो गुण सम्पन्न नहीं कहेंगे। कैसे भी सरकमस्टॉन्स हो लेकिन मेरा जो गुण है, वह मेरा गुण इमर्ज होना चाहिए। जैसे बापदादा वैसे हूबहू वही गुण, वही कर्तव्य, वही बोल, वही संकल्प अनुभव हो, सभी के मुख से निकले यह तो वही लगते हैं।

Easiness and sweetness

BapDada wants to see simplicity, easiness and sweetness in the activity, faces, words and actions of all you children. If, due to force or tiredness, your words are not even a little sweet, if your face isn't sweet but serious, you would not be said to be full of all virtues. No matter what the circumstances are, whatever your virtues are, let them emerge. Just as BapDada is, let the same virtues, task, words and thoughts be experienced through you. Let it emerge from everyone's lips: "This one appears to be the same as BapDada."

June 14, 2026

सम्पूर्णता की अवस्था

अभी-अभी आवाज में, अभी-अभी आवाज़ से परे, जितना यह अभ्यास सरल और सहज हो जायेगा उतना सम्पूर्णता समीप दिखाई देगी। सम्पूर्ण स्टेज की निशानी है उनका पुरुषार्थ सरल होगा। याद की यात्रा, सर्विस दोनों ही सहज पुरुषार्थ में आ जाते हैं। जब दोनों में सरल, सहज अनुभव हो तब समझो सम्पूर्णता की अवस्था प्राप्त होने वाली है।

Stage of perfection

One minute, come into sound and the next minute, go beyond sound. The more this practice becomes simple and easy, the more you will appear to be close to perfection. The sign of the stage of perfection is that your efforts will be easy and simple. The pilgrimage of remembrance and service are both included in easy efforts. When you experience both to be simple and easy, you can then understand that you are about to attain your stage of perfection.

June 15, 2026

सरलता और सहनशीलता को समान बनाओ

मन, वाणी, कर्म में सरलता और सहनशीलता यह दोनों आवश्यक हैं। अगर सरलता है, सहनशीलता नहीं तो भी श्रेष्ठ नहीं। सरलता के साथ सहनशीलता है तो शक्ति स्वरूप कहा जाता है। शक्तियों के चित्रों में सरलता

और सहनशीलता दोनों ही गुण दिखाते हैं। अभी की रिजल्ट में कहाँ सहनशीलता अधिक है, कहाँ सरलता अधिक है। अब इन दोनों को समान बनाओ।

Make easiness and tolerance both equal

It is necessary to have easiness, simplicity and tolerance in your thoughts, words and deeds. If there is easiness and simplicity, but not tolerance, you cannot be said to be elevated. If, together with easiness and simplicity, there is tolerance you would then be said to be an embodiment of power. They have portrayed the Shaktis with both the virtues of easiness and tolerance. In the present result, in some cases, there is more tolerance and in other cases, there is more easiness. Now, make both of them equal.

June 16, 2026

हर गुण के प्रैक्टिकल स्वरूप

जितना जो स्वयं सरल होंगे उतना याद भी सरल रहेगी। जितना जो हर बात में स्पष्ट अर्थात् साफ होगा उतना सरल होगा। जो जैसा स्वयं होता है वैसे ही उनकी रचना में भी वही संस्कार होते हैं। तो हर गुण के प्रैक्टिकल स्वरूप एक्जैम्पल बनो।

A practical example of every virtue

To the extent that you have an easy nature, so your remembrance will also be easy. To the extent that you are clear, that is, clean in every situation, to that extent you will be easy and simple. Whatever you are like, your creation would have those same sanskars. Therefore, become a practical example of every virtue.

June 17, 2026

बापदादा के दिल तख्तनशीन

बापदादा को सबसे प्यारे साफ दिल वाले बच्चे हैं। साफ दिल सदा बापदादा के दिल तख्तनशीन हैं। वे वृत्ति में, दृष्टि में, बोल में, सम्बन्ध-सम्पर्क में सरल और स्पष्ट एक समान दिखाई देते हैं। सरलता की निशानी है दिल, दिमाग, बोल एक समान। दिल में एक, बोल में दूसरा यह सरलता की निशानी नहीं है। सरल स्वभाव वाले सदा निर्माणचित, निरहंकारी, निर-स्वार्थी होते हैं। वे सरल-चित, सरल वाणी, सरल वृत्ति, सरल दृष्टि वाले होते हैं।

Seated on BapDada’s heart throne

BapDada has the most love for the children who have clean hearts. Those who have clean hearts are constantly seated on BapDada's heart throne. In their attitude, vision, words, relationships and connections, they are seen as being easy, simple and clear with everyone equally. The sign of easiness is that your heart, head and words are equal. It is not a sign of easiness to have one thing in your heart and something else in your words. Those who have an easy nature are constantly humble hearted, egoless and altruistic. They have easy and simple hearts; they speak simple words and have a simple attitude and vision.

June 18, 2026

सरल और नैचुरल योगी

जैसे कोई की विशेष नेचर होती है, उस नेचर के वश न चाहते भी चलते रहते हैं। कहते हैं चाहती नहीं हूँ लेकिन मेरी यह नेचर है। ऐसे आप बच्चों की सरल नेचर हो जो सबको अनुभव हो कि यह सहज योगी, स्वत: योगी हैं। क्या करूँ, कैसे योग लगाऊं.. यह बातें खत्म। हैं ही सदा सहयोगी अर्थात् योगी। इसी एक बात को नेचर और नैचुरल करने से सभी सबजेक्ट में परफेक्ट हो जायेंगे।

Easy and natural yogis

Some souls have particular types of nature and they continue to move along with that nature even against their conscious wish. They say: I don't want to do it, but that is my nature. Similarly, you children should have such easy and simple natures that everyone experiences you to be easy and natural yogis. What can I do? How can I have yoga? All those things finish. You are constantly co-operative, that is, yogi. By making this one aspect your natural nature, you will become perfect in all subjects.

June 19, 2026

नॉलेजफुल और सरल स्वभाव

सर्वस्व त्यागी बच्चों में मुख्य सरलता और सहनशीलता का गुण अवश्य होगा। ऐसे बच्चे स्वयं हर्षित रहते और सर्व को आकर्षित करते हैं। वे एक दो के स्नेही बन जाते हैं। अगर सरलता नहीं तो स्नेह भी नहीं हो सकता। जैसे साकार रूप में देखा जितना ही नॉलेजफुल उतना ही सरल स्वभाव। बुजुर्ग का बुजुर्ग, बचपन का बचपन।

Knowledge-full & easy nature

The children who are full renunciates will definitely have the main virtues of easiness and tolerance. Such children remain cheerful and they also attract everyone. They are loving to one another. If there isn't easiness, there cannot be love. You saw in the sakar form that to the extent he was knowledge-full, his nature was accordingly easy and simple - mature with mature ones and a child with children.

June 20, 2026

सरलता

सरलता लाने के लिए सिर्फ एक बात ध्यान पर जरूर रखनी है। अपनी स्थिति स्तुति के आधार पर न हो। कई बच्चे कर्त्तव्य के फल की इच्छा ज्यादा रखते हैं इसलिए जब स्तुति नहीं होती तो स्थिति हलचल में आ जाती हैं। निंदा होती है तो निधनके बन जाते हैं। अपनी स्टेज को छोड़ धनी को भी भूल जाते हैं इसलिए स्तुति के आधार पर स्थिति नहीं रखना।

Simplicity

In order to have easiness and simplicity, definitely pay attention to one thing – your stage must not depend on praise. Some children have a greater desire for some fruit of their actions and, therefore, when they are not praised, their stage fluctuates. When they are defamed, they become like orphans. They let go of their stage and even forget the Master to whom they belong. Therefore, do not let your stage depend on praise.

June 21, 2026

विशाल बुद्धि और दूरांदेशी

जो सरल स्वभाव वाले होंगे उसमें समेटने की शक्ति स्वतः होगी। सरल स्वभाव वाला सभी का सहयोगी और स्नेही भी होगा और जितना सरल स्वभाव वाला होगा उतना माया कम सामना करेगी। सरल स्वभाव वाले का व्यर्थ संकल्प नहीं चलता। उसका समय भी व्यर्थ नहीं जाता। उनकी बुद्धि विशाल और दूरांदेशी रहती है, इसलिए उनके आगे कोई भी समस्या सामना नहीं कर सकती।

Unlimited Intellect & far-sighted

When you have an easy nature, you will automatically have the power to pack up. When you have an easy nature, you will be loving and co-operative with everyone. To the extent that you have an easy nature, accordingly, Maya will not oppose you as much. When you have an easy

nature, you do not have any waste thoughts, nor do you waste your time. Your intellect is unlimited and far-sighted. This is why no adverse situation comes to oppose you.

June 22, 2026

स्वच्छता सरलता की निशानी

स्वच्छता भी सरलता की निशानी है। जितनी सरलता उतना स्वच्छता होगी इसलिए सभी को अपनी तरफ आकर्षित करेंगे। सच्चाई और सफाई भी तब होगी जब अपने स्वभाव को सरल बनायेंगे। सरल स्वभाव वाला बहुरूपी भी बन सकता है। ऐसे सरल स्वभावी सदा हर्षित रहते और सर्व को आकर्षित करते हैं।

Cleanliness, a sign of easiness

Cleanliness is a sign of easiness. To the extent that you are easy, accordingly, there will be cleanliness and you will therefore attract everyone to yourself. There will be honesty and cleanliness when you make your nature easy and simple. Those with easy natures can also be multifaceted. Those who are easy-natured will be constantly cheerful and will attract everyone.

June 23, 2026

श्रेष्ठमणी

जो जैसे कर्म करता है वैसा उनका नाम भी पड़ता है। कर्म यदि श्रेष्ठ हैं तो नाम पड़ेगा श्रेष्ठमणी। श्रेष्ठमणी बनने के लिए मन, वाणी, कर्म में सरलता और सहनशीलता यह दोनों गुण आवश्यक हैं। अगर सरलता है सहनशीलता नहीं तो भी श्रेष्ठ नहीं इसलिए सरलता और सहनशीलता दोनों साथ-साथ चाहिए।

An elevated jewel

A person is given a title according to the actions he performs. If your actions are elevated, you will be given the title of an elevated jewel. In order to become an elevated jewel, both virtues of simplicity and tolerance are needed in your thoughts, words and actions. If there is simplicity but not tolerance, then too, you cannot be said to be elevated. Therefore, as well as having simplicity, also be tolerant.

June 24, 2026

सरलता, श्रेष्ठता और सहनशीलता

अव्यक्त स्थिति रूपी दर्पण को साफ और स्पष्ट करने के लिए सरलता, श्रेष्ठता और सहनशीलता इन तीन बातों पर ध्यान दो। अगर तीनों में से एक भी बात की कमी है तो दर्पण पर भी कमी का दाग दिखाई पड़ेगा इसलिए जो भी कार्य करते हो, उसमें साधारणता दिखाई न दे। साधारणपन को श्रेष्ठता में बदली करो, हर कार्य में सहनशीलता और वाणी में सरलता को धारण करो तब सर्विस में सफलता दिखाई देगी।

easiness, greatness and tolerance

In order to keep the mirror of your avyakt stage clean and clear, pay attention to three things: easiness, greatness and tolerance. If even one of the three is missing, a stain of that lack will then appear on the mirror. Therefore, whatever work you do, let ordinariness not appear in that. Transform that ordinariness into greatness, have tolerance in every task and imbibe easiness in your words, and success will then be visible in your service.

June 25, 2026

गहराई में जाकर सफलता की प्राप्ति

जो सहनशील बच्चे हैं वे अपनी सहनशीलता की शक्ति से कैसे भी कठोर संस्कार वाले को, कैसे भी कठिन कार्य को शीतल बना देते हैं वा सहज कर देते हैं। सहनशीलता के गुण वाला गम्भीर होगा और गहराई में जायेगा। वह कभी घबरायेगा नहीं। गहराई में जाकर सफलता प्राप्त करेगा।

Go into the depths and attain success

Tolerant children can use the power of their tolerance to make those with harsh sanskars and difficult tasks cool and easy. Those with the virtue of tolerance will be mature and go into the depths of everything. They will never be afraid. They will go into the depths and attain success.

June 26, 2026

सन्तुष्टमणि

सहनशीलता वाले बाहरमुखता के वायब्रेशन को ही नहीं, लेकिन मन के संकल्प भी जो उत्पन्न होते हैं, उन संकल्पों की उत्पत्ति को देखकर भी घबरायेंगे नहीं। अपनी सहनशीलता से सामना करेंगे और सूरत से सदैव

सन्तुष्ट वा प्रसन्नचित्त दिखाई देंगे। उनके नैन चैन कभी भी असन्तुष्टता के नहीं दिखाई देंगे। वे सन्तुष्टमणि होने के कारण सदा हर्षित रहते हैं।

Jewels of contentment

Those who are tolerant will not be afraid, not just of any vibrations of extroversion, but of the thoughts arising in their minds. With their tolerance, they will face everything. Their faces will constantly be visible as content and happy. Their eyes and their mannerisms will never be seen to be discontent. Because they are jewels of contentment, they remain constantly content.

June 27, 2026

मन्सा, वाचा, कर्म में सरलता

इस सहजयोगी जीवन में अगर मुश्किलातों का अनुभव होता है तो सहज राज्य कैसे करेंगे। यहाँ के संस्कार ही वहाँ ले जायेंगे। देखो, आपके यादगार जो देवताओं के चित्र बनाते हैं उनकी सूरत में सरलता ज़रूर दिखाते हैं, तो जो जितना सहज पुरुषार्थी होगा वह मन्सा में भी सरल, वाचा में भी सरल, कर्म में भी सरल होगा। उसको ही फरिश्ता कहते हैं।

Simplicity in mind, words and actions

If you experience difficulties in this easy yogi life, then how would you then rule easily? The sanskars from here will take you there. Look at the pictures of the deities, they definitely show easiness and simplicity on their faces. To the extent that someone is an easy effort-maker, he will accordingly be simple in his mind, simple with his words and simple in his actions. Such a soul is called an angel.

June 28, 2026

मास्टर विश्व-निर्माता

आप सभी मास्टर विश्व-निर्माता हो। इस स्मृति से निर्माणता का गुण सहज आ जायेगा और जहाँ निर्माणता अर्थात् सरलता नेचुरल रूप में रहेगी वहाँ अन्य गुण भी आटोमेटिकली आ ही जाते हैं। तो सदैव इस स्मृति स्वरूप में स्थित रहकर फिर हर संकल्प वा कर्म करो। फिर यह जो भी छोटी-छोटी बातें सामना करने के लिए आती हैं, वह ऐसे अनुभव होंगी जैसे कोई बुजुर्ग के आगे छोटे-छोटे बच्चे बचपन के खेल करते हैं। उसका उन्हें कोई असर नहीं होता।

Master world creators

All of you are master world creators. When you have this awareness, you will easily develop the virtues of humility. When you have humility, that is, easiness in a natural way, all other virtues come automatically. First be stable in the constant awareness of this form and then think and act. All of the little things that come in front of you, which you have to face, will then be experienced to be like the games of little children who play in front of their elders, who are not affected by than at all.

June 29, 2026

शक्ति स्वरूप

बाप को भोलानाथ कहते हैं लेकिन ऐसा भोला नहीं है जो सामना न कर सके। भोलानाथ के साथ-साथ आलमाइटी अथॉरिटी भी है। आप भी अपने शक्ति स्वरूप को भूल सिर्फ भोले नहीं बनना, नहीं तो माया का गोला लग जायेगा। ऐसा शक्ति स्वरूप बनो जो माया सामना करने के पहले ही नमस्कार कर ले। बहुत सावधान, खबरदार-होशियार रहना।

A form of power

The Father is called the Innocent Lord, but He is not so innocent that He is not able to oppose anything. As well as being the Innocent Lord, He is also the Almighty Authority. You too mustn't forget your form of power and simply become innocent. Otherwise, you will be hit by a arrow of Maya. Become such a form of power that Maya bows down and salutes you before opposing you. Remain very careful and alert.

June 30, 2026

कर्म में नवीनता

बापदादा का वरदान है सदा खुश रहो, खुशी का खजाना बांटो, खुशी की लहर सर्व में फैलाओ। आपके चेहरे पर सदा खुशी की मुस्कराहट चमकती रहे। ऐसे हर्षित मुख रहो। इसके लिए बोल में मधुरता, सन्तुष्टता, सरलता की नवीनता अवश्य हो। ब्राह्मण आत्माओं के बोल साधारण बोल न हों। हर कर्म में ऐसी नवीनता हो जो हर एक उससे प्राप्ति का अनुभव करे।

Newness is every action

BapDada’s blessing is: Remain constantly happy and share the treasure of your happiness. Spread waves of happiness in everyone. Let your face always have a sparkling smile of happiness. Remain cheerful in this way. For this, definitely let there be sweetness, contentment and the newness of simplicity in your words. Let the words of Brahmin souls not be ordinary words. Let there be such newness is your every action that everyone experiences some attainment from it.